Chapter- 4

तितली की सीख

STUDY NOTES

MIND MAP

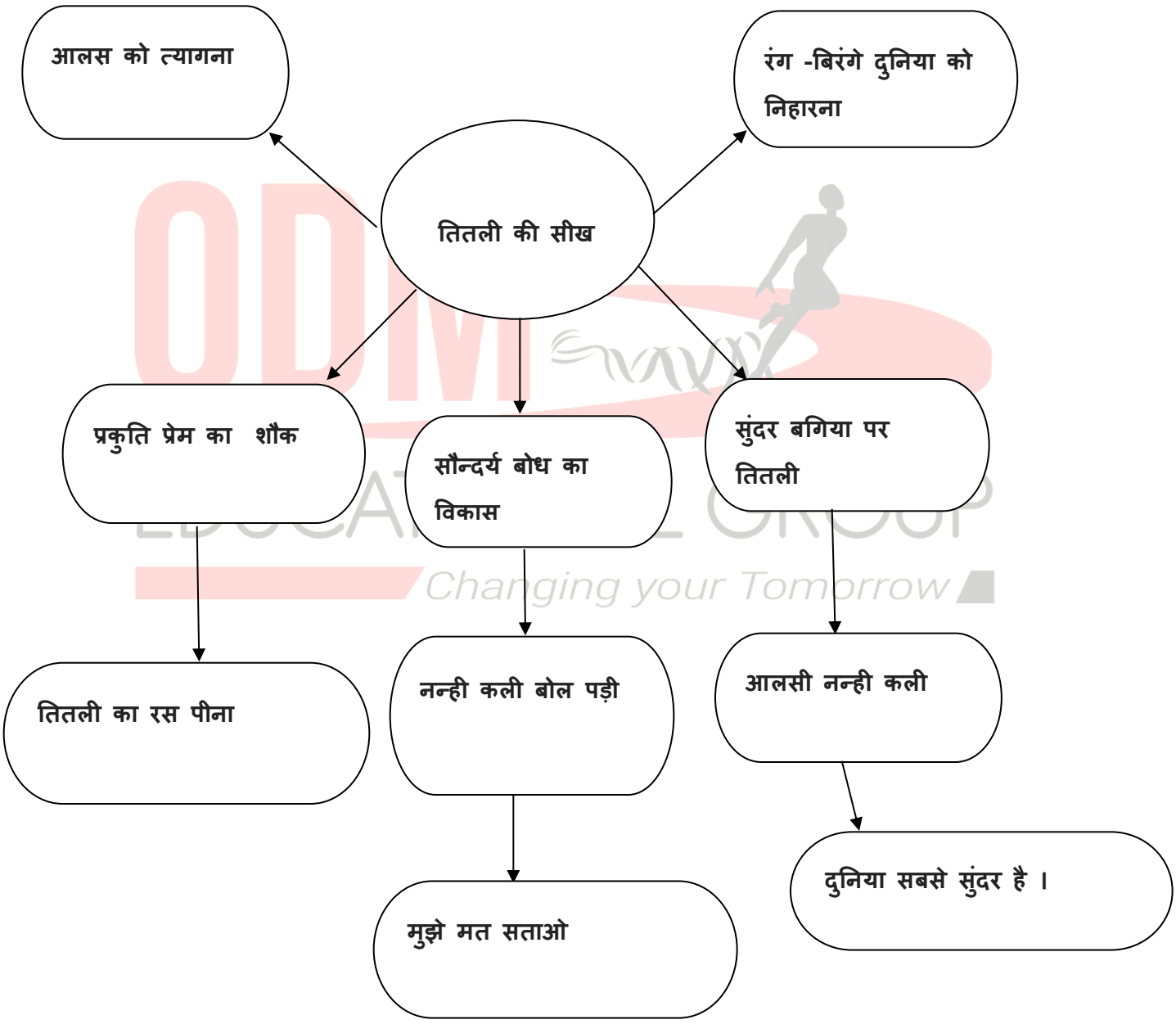

पाठ प्रवेश

इस कविता में रंग -बिरंगी तितलियाँ और फूलों के चिर -परिचित संबध को उपस्थापित किया गया । तितली का शरीर तथा बगिया के फूल तरह तरह रंगों से सज्जित है । तितली कली को आलस छोड़ ,दुनिया की सुंदरता देखने और उसका आनंद उठाने का सुझाव देती है । रंगों से परिचय और प्रकृति के सौन्दर्य कविता में मूलत प्रतिपादित है ।रंग बिरंगी तितली भी अपनी सुंदरता से प्रकृति के सौन्दर्य में चार चाँद लगा देती है कली से ही फूल विकसित होता है।

तितली कली को आलस छोड़ने के लिए उकसाती है, ताकि वह भी दुनिया सुंदरता का आनंद ले सके। इसी प्रकार मनुष्य को भी आलस को त्यागकर कर्म करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

पाठ सार

- तितली के संवाद के माध्यम से मनुष्य को आलस्य त्याग कर रंग बिरंगी दुनिया को निहारने ,उसके अलग अलग रूपों का आनंद लेने और ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई है । रंग बिरंगी तितली हवा के संग संग उड़ती चली जा रही है । उसके पर बहत सुंदर थे । उसके पर लाल और पीले थे । वह उड़कर बगिया में पहुँच गई । वो एक कली पर बैठ गई । जब तितली रस पीने केलिए जा रही थी तब नन्ही कली बोली मुझे मत सताओ । तुम

कहिले फूल के पास जाओ और मुझे दर्द न देकर खिले हुए कली के पास जाओ । तुरंत तितली बोली आलस की भावना छोड़ो और अपनी बंद पंखुड़ियों को खोल दो । देखो ये संसार कितना प्यारा है । दुनिया रंग बिरंगी और चमकीली है । मैं चलता हूँ ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow